वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि का चिन्ह डंकदार बिच्छू है। बिच्छू के लगभग २१ नेत्र शरीर के विभिन्न अंगों पर होता है, जिससे किसी भी वस्तु की बारीकी को पकड़ लेते हैं। बच्छू बड़े ही तेज स्वभाव के कारण शीघ्र डंक मारने वाला प्राणी होता है, राशि स्वामी मंगल होने के कारण इनके मन में क्रोधाग्नि अन्दर ही अन्दर धधकती रहती है। धर्म के प्रति इनके मन में श्रद्धा भावना होती है। महात्वाकांक्षी होने के साथ-साथ अपनी महात्वाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील भी रहते हैं। इस राशि वालों को यदि विषैला मानव कह दें तो कोई बुरा नहीं होगा।

वृश्चिक राशि पर शनि की तृतीय शत्रु दृष्टि रहेगी। पारिवारिक चिन्ताएं एवं आर्थिक समस्यायें बढ़ेंगी। राशि स्वामी मंगल २६ मई तक नीच राशिगत संचरण करने से आय कम खर्च अधिक रहेगा, साथ-साथ पराक्रम भाव में उच्च दृष्टि होने से पुरुषार्थ से उन्नति और धन लाभ के अवसर प्राप्त होते रहेंगे। १४ मई से १३ जून तक सूर्य की दृष्टि होने से मानसिक तनाव एवं घरेलू उलझनें बढ़ेंगी, क्रोध की अधिकता रहेगी। भाई-बन्धु से मन-मुटाव, धन का अपव्यय अधिक एवं प्रत्येक कार्य में विलम्ब रहेगाा। २६ मई से २० जुलाई तक मंगल की स्वग्रही दृष्टि होने से भरण-पोषण योग्य साधन बनते रहेंगे। २० अक्टूबर से ३० नवम्बर तक मंगल वृश्चिक राशि पर रहेगा। इस समय स्वभाव में गुस्सा अधिक आयेगा। धन लाभ के अवसर बनेंगे।

गुरु महाराज आपकी राशि से चौथे स्थान पर रहेंगे, ऐसे में धन तो अवश्य ही आयेगा, पर रुक नहीं पायेगा, किसी न किसी प्रकार व्यय हो जायेगा। पारिवारिक सम्पत्ति में बँटवारा हो सकता है। काम-काज की स्थितियाँ ठीक नहीं हैं। मई के बाद बृहस्पति जब पंचम स्थान में आयेगा तो सन्तान सम्बन्धी चिन्ताएं दूर होंगी। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा, परीक्षा में सफलता मिलेगी।

घर में किसी नई वस्तु का क्रय सम्भव है। आठवें भाव में केतु स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति करायेगा। मौसमी बीमारियाँ, रक्त दाब, हृदय आदि बीमारियों का चिकित्सकीय परीक्षण कराते रहें। केतु का अष्टम भाव में संचरण वात-पित्त-कफ का सन्तुलन बिगाड़ सकता है। रक्त विकार से भी कष्ट हो सकता है, अतः समय-समय पर चिकित्सकीय परीक्षण कराते रहें। इस वर्ष घर के अन्दर संगणक (कम्प्यूटर), फ्रिज, वाहन आदि का क्रय कर सकते हैं।

घर-परिवार की सुख-शान्ति के लिए अच्छा समय नहीं है। परिवार में अनावश्यक तनाव तथा क्लेश का वातावरण रहेगा। राहु का द्वितीय स्थान का भ्रमण कुटुम्ब-परिवार के लिए शुभ नहीं है। माता-पिता के स्वास्थ्य के लिए वर्ष अच्छा है। सन्तान के विवाह व शिक्षा के सम्बन्ध में चिन्ता बनी रहेगी। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते रहें।

शनि की एकादश भाव में स्थिति व्यापार के क्षेत्र में सफलता प्रदान करेगी। जो लोग नौकरी या राजनीति में हैं, वे भी कोई महत्वपूर्ण पद प्राप्त कर सकते हैं, जिससे समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इस वर्ष आपके कई महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होगें। आय के साधनों में वृद्धि होगी। सरकार या उच्च अधिकारियों से लाभ प्राप्त करेंगे। आस-पास की यात्राएं होती रहेंगी। द्वितीय भाव का राहु यात्राओं से लाभ प्राप्ति भी करवा सकता है।

इस वर्ष के लिए विशेष उपाय- २०१० ई० में वृशिचक राशि वाले निम्न उपाय करें-

1. मंगल और शनिवार के दिन गाय को मीठी चपातियाँ खिलाने से वर्ष अच्छा जायेगा।
2. अपने जन्मदिन पर ब्राह्मण से पूजा करवाकर ब्राह्मणों को मिठाई सहित भोजन एवं दक्षिणा दें।
3. वर्ष भर में एक बार पति-पत्नी सहित स्नान करके लाल कपड़े पहनें और ताँबे का बर्तन चावलों से भरकर चन्दन का लेप लगाकर हनुमान जी के मन्दिर में दान दें।